कीड़ा जड़ी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जैव ऊर्जा रक्षा अनुसंधान संस्थान(डबिर), हल्द्वानी के वैज्ञानिक डॉ. रंजीत सहि ने बताया कि कीड़ा जड़ी (कार्डीसेप्सस साईनेससि) के डबिर लैब में उत्पादन संबंधी शोध में सफलता के बाद अब इसका व्यावसायिक उत्पादन उत्तराखंड, गुजरात एवं केरल स्थित तीन लैब में किया जाएगा।

प्रमुख बदिु

- यह जड़ी एक वशिष प्रकार के कीड़े के मरने पर उसमें नकिले फफूँद से प्राप्त होता है। इसमें प्रोटीन अमीनो एसडि, वटिामनि **B-1, B-2** एवं **B-12** जैसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं।
- इसका प्रयोग नम्नि रोगों के उपचार मे किया जाता है-
    - कडिनी उपचार
    - उच्च रत्तचाप नयिंत्रण
    - रक्त नर्मिाण
    - अस्थमा, नपुंसकता, अस्थिजोड़ में दर्द आदि का उपचार
- कीड़ा जड़ी उत्तराखंड के चमोली और पथिौरागढ़ के धारचूला व मुनस्यारी क्षेत्र में 3,500 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले स्थानों में प्राकृतिक रूप से उगती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/keeda-jadi